दैनिक भास्कर 28/03/2023

जीएमएन कॉलेज में जख्म लकीरां दे नाटक का मंचन दर्शकों ने खूब सराहा

ऐ बोल ने पीर फकीरां दे, माड़े ने जख्म लकीरां दे

भास्कर न्यूज | अम्बाला

जीएमएन कॉलेज में रविवार देर शाम पंजाबी फुल लेंथ नाटक जख्म लकीरां दे का मंचन हुआ। इसका मंचन कलाश्री व थेस्पियंस ग्रुप के कलाकारों ने हरियाणा कला परिषद के सहयोग से किया।

नाटक रंगकर्मी अशोक लहरी ने लिखा व निर्देशित किया। इस नाटक में देश के बंटवारे के दौरान हुए कत्ल-ए-आम की कहानी को मार्मिक दृश्यों से दिखाई। नाटक की कहानी में एक मुस्लिम और सिख परिवार के रिश्तों को दिखाया गया है। जो कभी बंटवारे से पहले एक-दूसरे के दुख के साथी हुआ करते थे। बंटवारे की एक लकीर ने उन्हें जानी दुश्मन बना दिया। मुस्लिम परिवार का मुख्य पात्र इकबाल जहां सरदार सतनाम सिंह के परिवार का जानी दुश्मन बन जाता है। वहीं दूसरी तरफ उसकी पत्नी शबनम जो सतनाम सिंह की बेटी सिमरन की सहेली थी। सिख परिवार के लिए अपने शौहर इकबाल का कत्ल कर देती है और सिमरन के नवजात बच्चे कर्ण को लेकर कई कठिनाइयों को पार करते हुए उसे लेकर हिंदुस्तान आ जाती है। उसे पाल पोस कर बड़ा करती है। एक दिन उसके जवान बेटे कर्ण के हाथ उसकी मां की लिखी डायरी लग जाती है जो वो अक्सर अपनी सहेली सिमरन के नाम लिखा करती थी। डायरी पढ़ने के बाद उसे पता चलता है कि ये मेरी असली मां नहीं है, बल्कि मेरी मां की मुस्लिम सहेली है जिसने इंसानियत की खातिर अपना सब कुछ कुर्बान करके मुझे मेरा मुल्क-मेरा मजहब दिया। कुछ साल बाद 15 अगस्त के एक समारोह में वह सारा भेद खोल देता है। भेद खुलते ही सारा समाज शबनम की कुर्बानियों को नकारते हुए उसपर तरह-तरह के इल्जाम लगाता है जिससे इस दोष को न सहते हुए शबनम अपना मानसिक संतुलन खो बैठती है और सारा समाज कर्ण से उसकी मां को सरहद पार छोड़ने के लिए हुक्म सुना देता है और पीछे से गीत उभरता है ऐ बोल ने पीर फकीरां दे, माड़े ने जख्म लकीरां दे। कार्यक्रम में नागेंद्र शर्मा मुख्यातिथि रहे। विशिष्ट अतिथि हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी पंचकूला के डिप्टी डायरेक्टर गुरविंदर सिंह धमीजा ने कलाकारों के अभिनय की तारीफ की। कलाश्री के प्रधान आलोक गुप्ता ने मुख्यातिथि और विशिष्ट अतिथि को मोमेंटो और शॉल भेंट कर सम्मानित किया। नाटक में वरिष्ठ कलाकार व कलाश्री महासचिव टीएस दुग्गल, नरेश कुमार शर्मा, सोहन सिंह, हरप्रीत सिंह व जसप्रीत मौजूद रहे।

पंजाबी नाटक जख्म लकीरां दे में मंचन करते कलाकार।